"सुरक्षा परिषद के वाइब्रेंट होने का समय आ गया है "- लोक सभा अध्यक्ष

न्यूयार्क, 02 सितम्बर, 2015 : लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन, ने संसदों के अध्यक्षों के चौथे विश्व सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र के महासचिव श्री बान की मून से मुलाकात की। श्री मून ने कहा कि भारत अपनी विविधताओं कारण, अपनी मज़बूत लोकतांत्रिक जड़ों के साथ के कारण एक सबसे वाइब्रेंट देश है। इस पर श्रीमती महाजन ने कहा कि सुरक्षा परिषद के भी वाइब्रेंट होने का समय गया है। अब इसे वाइब्रेंट बनाने में विश्व के देशों और यूनाइटे नेशन को जल्दी निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने श्री मून को भरोसा दिलाया कि भारत इस नई जिम्मेदारी को भी संभालने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और एक विकसित हो रही अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत के सुरक्षा परिषद में शामिल होने से यह अधिक सक्रिय और प्रातिनिधिक हो जाएगी।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि भारत हमेशा से संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में विश्वव्यापी लोकतांत्रिक पहलों का समर्थन करता रहा है, श्रीमती महाजन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सहित विश्वव्यापी शासन संस्थाओं में भी लोकतांत्रिक मानदंों का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र में शीघ्र सुधार और इसकी सुरक्षा परिषद के विस्तार को उच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसलिए उन्होंने ग्रह किया कि वर्तमान राजनीतिक वास्तविकताओं को परिलक्षित करने के लिए सुरक्षा परिषद में सुधार किया जाना चाहिए और इसे नए सिरे से गठित किया जाना चाहिए।

यह टिप्पणी करते हुए कि सुधार न होने से सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता और कारगरता प्रभावित हुई है, श्रीमती महाजन ने शा व्यक्त की कि श्री मून के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र में सुधार के कार्य में तेजी एगी। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की 70वीं वर्षगांठ एक ऐसा ऐतिहासिक अवसर है जिसका पूरा उपयोग किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि कुछ देशों में हाल ही में हुई तंकवाद की घटनाएं पूरे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए ही चिंता का विषय हैं। उन्होंने विश्व समुदाय से अनुरोध किया कि जहां कहीं भी तंकवाद की घटनाएं हों, उनकी भर्त्सना पूरे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि अंतर्राष्ट्रीय तंकवाद संबंधी व्यापक अभिसमय शीघ्र ही कोई निर्णय ले।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि भारत संयुक्त राष्ट्र के दर्शों के प्रति वचनबद्ध है, श्रीमती महाजन ने प्रभावी बहुपक्षवाद में भारत के दृढ़ विश्वास की पुनः पुष्टि की। इस

संबंध में उन्होंने इस तथ्य का उल्लेख किया कि एक पूर्णतः सुसज्जित महिला पुलिस इकाई सहित शांति सेना में भारत का निरंतर योगदान विश्व समुदाय के एक जिम्मेदार सदस्य के रूप में भारत की मजबूत छवि का उदाहरण है और इसे और सुदृढ़ बनाता है।

श्रीमती महाजन ने दिसम्बर में पेरिस में जलवायु संबंधी शिखर सम्मेलन योजित करने की पहल की सराहना की और शा व्यक्त की कि विकसित देश साझे हित में चुनौतियों का सामना करने में विकासशील देशों की सहायता करने केअपने वायदे को पूरा करेंगे।

पिछले ठ महीनों में श्रीमती महाजन और श्री मून की यह दूसरी मुलाकात थी। श्री मून ने इस वर्ष जनवरी में नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान लोक सभा अध्यक्ष से मुलाकात की थी।